साडा है सजन राम, राम है कुल जहान

सभी सजनों को

जय सीता राम जी

'कलुकाल जाणां सतवस्तु आणां जीवां ने सोचदियां रह जाणां पछोताणा।

चलो चलिये रघुवंशमणि कोलों, ओ ही हिन साडा गहणा '

'सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ' से उद्धृत यह पंक्तियाँ सजनों हम सबको समय रहते ही, भाव-स्वभावों की तरफ से संभलने की चेतावनी दे, प्रभु की चरण-शरण में आने का व सतयुग में प्रवेश करने का आवाहन दे रही हैं। निश्चित ही सजनों यह तभी संभव है यदि हम 'सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ' में विदित शब्द ब्रह्म विचारों को मनन व चिंतन द्वारा अमल में लाने का व तद्नुकूल समभाव-समदृष्टि की युक्ति अपनाकर एक सदाचारी सजन पुरुष बनने का साहस दिखाएं।

इस संदर्भ में सजनों हम सब कदम-दर-कदम अपनी मंजिल की ओर आगे बढ़ाते हुए ऐसा करने में कामयाब हो सकें इस हेतु सजनों प्रति वर्ष दिनाँक 7 सितम्बर, समभाव दिवस के शुभावसर पर आमन्त्रित किया जाता है तथा यहाँ सतयुगी रैहणी-बैहणी, आचरण, विधान, संस्कृति व समभाव-समदृष्टि आदि के विषय में बताकर, हमारा उचित मार्गदर्शन किया जाता है ताकि हम आगामी युग की स्वाभाविक पोशाक धारण कर तद्नुकूल ढलने का अदम्य साहस दिखाएँ व अच्छे मानव कहलाएं।

इस परिप्रेक्ष्य में चूंकि सजनों COVID-19 के कारण फैले संक्रमण व प्रशासनिक नियमावली के दृष्टिगत, इस वर्ष सबका एक साथ सम्मिलित हो ऐसा करना कठिन प्रतीत हो रहा है इसलिए सर्वहित को ध्यान में रखते हुए इस बार हम सब यह शुभ दिवस, अपने-अपने घरों में सपरिवार बैठकर, पूर्ण

हर्षोल्लास के साथ एक साथ मनाएंगे। कैसे ? इसके उत्तर में सजनों जानों कि दिनाँक 7 सितम्बर 2020, सोमवार को सतयुग दर्शन ट्रस्ट की Website *पर एक* Webinar *का आयोजन किया जाएगा जिसका समय व लिंक निर्धारित समय से पूर्व आपके साथ शेयर कर दिया जाएगा।। निश्चित समय पर हम अपने-अपने डिवाइस से लॉग-इन करके इस कार्यक्रम का आनन्द एक साथ उठाएंगे और साथ ही जीवन का मार्गदर्शन कर अपनी मंजिल की ओर मजबूती से कदम बढ़ाएंगे।*

यहाँ सजनों आपको करना यह होगा कि अभी से इस आयोजन के बारे में अपने मित्रों, रिश्तेदारों व अन्य सम्पर्क में आने वालों को इसकी सूचना देनी होगी ताकि वे भी समय रहते अविचार का कवलड़ा रास्ता छोड़, विचार को अपना सकें व ए विध् सतयुगी आचार संहिता अपनाकर, अपना घर सतयुग बना सकें। यहाँ हम प्रशंसा करना चाहेंगे छठे अंतर्राष्ट्रीय मानवता ओलम्पियाड से जुड़े सभी युवा बच्चों की जिन्होंने अपने भरसक लगन व परिश्रम से जन-जन तक सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ में विदित मानवता के संदेश को पहुँचाने में आशातीत सफलता प्राप्त की है और अनेकों बच्चों, अध्यापकों व अभिभावकों को मानवता की राह पर चढ़ाने का परोपकार कमाया है।

प्यारे बच्चों अभी 7 सितम्बर में कुछ समय बाकी है। हमने अभी और मेहनत करके इस काम को आगे बढ़ाना है और अपने सहित कुल समाज को सदाचार के मार्ग पर प्रशस्त करने का परोपकार कमाना है। यही नहीं आपने समय से पूर्व अपने साथ जुड़े अधिकाधिक अध्यापकों, बच्चों व अभिभावकों को इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करना है और इस हेतु समय से पूर्व उन्हें इस कार्यक्रम का लिंक भेजना है ताकि वह छठे अंतर्राष्ट्रीय मानवता ओलम्पियाड के विजेताओं के नाम जानने के साथ साथ जीवन का उचित मार्गदर्शन भी प्राप्त कर सकें। यहाँ सजनों सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ में वर्णित इस कथन को सदा याद रखना:

इस वक्त दी शुद्ध कमाई दे मुताबिक ओ सजनों सतवस्तु में मौज उड़ानी जे

ओ मौज उड़ानी जे।

सतवस्तु में एक दृष्टि एक दर्शन।

उपरोक्त के दृष्टिगत सजनों हम सबके लिए बनता है कि आयु की घड़ियों को मुश्किल जान हम समय रहते ही सच्चेपातशाह जी का आदेश प्रवान करें और समभाव के सबक को परिपक्व कर समदृष्टि हो जाएँ व सतवस्तु में प्रवेश कर जाएँ ताकि समय व्यतीत हो जाने के पश्चात् हमें किसी विध् भी पछताना न पड़े। इस संदर्भ में मत भूलो कि हम सबको इस उद्देश्य की प्राप्ति के प्रति उत्साह व उमंग से पूरित करने हेतु सतवस्तु का कुदरती ग्रन्थ यही कह रहा है:-

कलुकाल दे इंसान जे हार खा बैठे, तां सतवस्तु दा नज़ारा देखे कौन

सतवस्तु में चौरासी दग्ध-भस्म ओ राहसी, तां चतुर्भुजधारी दा नज़ारा देखे कौन

अतः

हिम्मत लड़ाओ मेरे सजनों, जे सतवस्तु विच आना जे

तां हिम्मत लड़ाओ मेरे सजनों, जे संग लक्ष्मी चतुर्भुजधारी दा दर्शन पाना जे

आपकी हिम्मत को बढ़ावा देने हेतु सजनों सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ अनुसार सतवस्तु के बारे में मुकम्मल बात 'सतवस्तु' नामक पुस्तक में सविस्तार संकलित कर दी गई है ताकि आप घर बैठे-बैठे ही समयबद्ध अपने जीवन का महान प्रयोजन सिद्ध कर उत्तम गति को प्राप्त हो सको। आप सबकी जानकारी हेतु समभाव दिवस के शुभावसर पर इस पुस्तक का विमोचन करने के उपरान्त यह पुस्तक आप सब तक पहुँचा दी जाएगी। अतः सजनों यदि अपना जीवन

बना, घर सतयुग बनाना चाहते हो तो इस महान मंगलकारी कार्य की सिद्धि हेतु इस पुस्तक का गंभीरता से अध्ययन करते हुए, वर्णित शब्द ब्रह्म विचारों को सतत चिंतन एवं मनन द्वारा जीवन व्यवहार में लाना। जानो ऐसा करने पर ही जीवन के उन्नति पथ पर प्रशस्त हो विचार पर ख़ड़े हो पाओगे व वर्तमान संक्रमण काल में अपना व अपने कुल का बचाव कर पाओगे। अंत में सजनों अभी से अपने दिलों को प्रसन्नता व आनन्द के वातावरण से भरपूर करने हेतु मिल कर बोलो:-

सातवीं सितम्बर उन्नीस सौ बवन्झा, रविवार सतवस्तु दा राज हुन हो गया

वेखसी कुल जहान, सतवस्तु दा राज हुन हो गया '

इन्ही शुभकामनाओं के साथ आप सबको जय सीता राम जी।